फिर वही बारिश - सुकन्या दत्ता

फिर वही बारिश
फिर वही तन्हाई |
फिर वही ख्वाहिश
फिर वही अंगड़ाई ||
फिर वही बूंदों की लहरें
फिर वही गीलापन |
फिर वही धुंधली सी सहर
फिर वही सूनापन ||
फिर वही अनजाना सा डर
फिर वही आहट की चाहत |
फिर वही पहचाना सा चेहरा
फिर वही अचानक सी राहत ||
फिर वही रंजिशों का वार
फिर वही शिकायत |
फिर वही प्यार की बौछार
फिर वही इनायत ||